पता लगाया है; यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है तथा 1990 के दशक के अंत तक खाद्य उत्पादन की औसत दर में वृद्धि करने के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) जी, हां ।

(ख) देश में 1950–51 तथा 1989–90 में खाद्यान्न उत्पादन क्रमश: 50.82 और 171.04 मिलियन मीटरी टन था ।

(ग) 1949–50 से 1959–60 की अवधि के दौरान खाद्यान्न उत्पादन की मिश्रित वृद्धिदर 3.22 प्रतिशत प्रतिवर्ष थी जो 1979–80 से 1990–91 के दशक में बढ़कर 3.68 प्रतिशत प्रतिवर्ष हो गई थी ।

(घ) 1980 के दशक के दौरान हुई खाद्यान्न उत्पादन की वृद्धि की दर इस अर्थ से महत्वपूर्ण है कि खाद्यान्नों में सारी वृद्धि उत्पादकता में बढ़ोत्तरी के जरिए हुई है । योजनागत विकास को पहले की अवधि में, विशेषकर 1949–50 से 1959–60 के दशक में, अधिकांश वृद्धि खाद्यान्नों के अंतर्गत क्षेत्र में वृद्धि होने से हुई थी । 1980–81 से 1990–91 के दशक में क्षेत्र में वृद्धि की दर नकारात्मक अर्थात् – 0.14 प्रतिशत प्रति वर्ष थी । दसवें दशक में खाद्यान्न उत्पादन की वृद्धि दर के लिए प्रस्तावित लक्ष्य लगभग 3.3 प्रतिशत प्रतिवर्ष है ।

Palm oil cultivation in Andhra Pradesh and Karnataka

4079. DR. NARREDDY THULASI REDDY: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Chaddha Committee has recommended for cultivation of Palm-oil trees in two and half lakhs hectares each in Andhra Pradesh and Karnataka States; and

(b) if so, what steps Government have taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MULLAPPALLY RAMACHANDRAN): (a) Yes, Sir.

(b) To promote cultivation of Oil Palm in the identified areas, the following schemes are being implemented in Andhra Pradesh and Karnataka:—

(i) Establishment of two Oil Palm Seed Gardens, on each in Andhra Pradesh and Karnataka.

(ii) Establishment of six Oil Palm Nurseries, three each in Andhra Pradesh and Karnataka, over an area of 180 hectares and raise 20.4 lakh Oil Palm Seedings to cater an Area Expansion Programme of 6000 hectares in each State.

(iii) A Frontline Demonstration Project on Oil Palm Cultivation and Processing in Karnataka.

(iv) One Palm Oil Extraction Plant of 1 MT/hr. capacity is under construction in West Godavari District of Andhra Pradesh.

Research on agricultural products

4080. SHRI M. VINCENT: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the details of research work done for better and high yielding varieties of agricultural products by various Research Centres; and

(b) the extent to which the findings thereof have been adopted by the agriculturists?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI K. C. LENKA): (a) Sir, A total of 1935 high yielding varieties of different crops have been developed for enhancing productivity and production in different regions and crop growing situations.

(b) The high yielding varieties have been extensively used in the firstline demonstrations and have been adopted by the farmers on a large scale.

देश में भूकंप के कारण हुई हानि

4081. **कुमारी सुशीला तिरिया :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किन-किन राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 20 अक्तूबर, 1991 को और उसके बाद भूकम्प के झटके महसूस किये गये थे ;

(ख) इन झटकों के कारण संपत्ति, फसल तथा पशुधन को अनुमानतः कितनी हानि हुई ;

(ग) प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में कितने लोग मारे गये, कितने घायल हुए और कितने बेघर हो गए ;

(घ) प्रत्येक प्रभावित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र द्वारा केन्द्र से कितनी सहायता की मांग की गई और वास्तव में उन्हें कितनी धनराशि दी गई ;

(ङ) केन्द्रीय दलों ने इस संबंध में किन-किन राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों का दौरा किया ;

(च) केन्द्रीय दलों द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्टों पर सरकार द्वारा क्या अनुवर्ती कार्यवाही की गई है ;

(छ) भूकम्प पीड़ितों को राहत पहुंचाने के लिए अन्य स्रोतों से कुल कितनी सहायता प्राप्त हुई है; और

(ज) विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों तथा सरकार द्वारा राहत के संबंध में क्या उपाय किये गये हैं ।

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) से (ग) अक्तूबर, 1991 के भूकम्प से उत्तर प्रदेश के गढ़वाल क्षेत्र में काफी हानि हुई। हिमाचल प्रदेश सरकार ने भी कुछ छोटी-मोटी हानि की सूचना दी है। पंजाब, हरियाणा, जम्मू व काश्मीर तथा दिल्ली संघ शासित क्षेत्र जहां इस भूकम्प के झटके महसूस किए गए थे, किसी क्षति की सूचना नहीं दी है। अक्तूबर, 1991 के भूकम्प के कारण उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश राज्य सरकारों द्वारा सूचित की गई क्षति का ब्यौरा अनुबंध में है। (देखिए परिशिष्ट 162, अनुपत्र संख्या 8) 20.10.91 के बाद भारत में महसूस किए गए भूकम्प का ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है। इन भूस्पंद से किसी क्षति की सूचना नहीं मिली है। [देखिए परिशिष्ट 162, अनुपत्र संख्या 82]

(घ) से (च) उत्तर प्रदेश सरकार ने राहत और पुनर्वास उपायों के लिए 152.00 करोड़ रुपये की केन्द्रीय सहायता की मांग करते हुए एक ज्ञापन प्रस्तुत किया है। राहत उपायों के लिए अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता का मूल्यांकन करने के लिए एक केन्द्रीय दल शीघ्र ही प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेगा।

(छ) और (ज) गैर-सरकारी एजेंसियां भारतीय रेडक्रास सोसाइटी, उत्तर प्रदेश सरकार तथा अपने चैनलों से राहत सामग्रियां भेज रही हैं। भूकम्प पीड़ितों के राहत के लिए विभिन्न स्रोतों से दी जा रही सहायता के ब्यौरे एक स्थान पर उपलब्ध नहीं है।

Direct and indirect subsidy to farmers

4082. SHRI PRABHAKAR B. KORE: PROF. I. G. SANADI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) what was the quantum of subsidies, both direct and indirect in the sale of pesticides, fertilizers, support prices for foodgrains, energy supply, water supply for agriculture in the year 1960, 1970, 1980 and 1990;